Post Reg. No. : Jaipur/city/412/2016-18
RNI No. RAJBIL/2003/13325
www.biyanitimes.com

बियानी टाइम्स JAIPUR
BIYANI TIMES

कैलेंडर की तीन बना तू का तार पृष्ठ 5 पर...

...जो देता है पॉजिटीविटी, एनर्जी एंड अपडेट

वर्ष 13 अंक 7 मासिक हिन्दी/अंग्रेजी कुल पृष्ठ 8 15 अगस्त - 15 सितंबर 2016 मूल्य ₹ 5

कैसे बने हमारे यहां कैम्ब्रिज और स्टेनफोर्ड जैसे उच्च शिक्षण संस्थान?

अगर व्यक्ति-व्यक्ति में भेद नहीं है तो फिर शिक्षा व खेलों के क्षेत्र में श्रेष्ठता की होड़ में इतनी विषमताएं क्यों हैं?

सम्पादक की कलम से...

इन दिनों उच्च शिक्षण संस्थान जैसे जेएनयू (जवाहर लाल नेहरू) जम्मू कश्मीर विश्वविद्यालय व विभिन्न आईटीआई के कामकाज को लेकर काफी प्रश्न उठे और उच्च शिक्षण संस्था के कार्यकलापों की समीक्षा पर एक बहस व मनोमंथन प्रारम्भ हो गया है। यह बहस इसलिए भी प्रासंगिक हो गई है क्योंकि शिक्षा में सरकार की शिक्षण संस्थाओं को फण्ड देने की नीति 50 साल बीत जाने के बाद भी दुनिया के शीर्ष 250 संस्थानों में हमारे देश के किसी शिक्षण संस्थान का नाम ला पा रही है। लगभग यही स्थिति को हम रिओ में हो रहे ओलिंपिक में भी देख सकते हैं। जहां हम 17 प्रतिशत की आबादी वाले देश ओलिंपिक पदक सूची में अपना नाम तक दर्ज करने की जद्दोजहद करते दिखाई देते हैं। वास्तव में यह भी एक बड़ा सच है कि ईश्वर ने दुनियाभर के सभी स्त्री व पुरूषों को बौद्धिक, मानसिक व शारीरिक रूप से समान रूप से क्षमतावान बनाया है। अगर व्यक्ति-व्यक्ति में भेद नहीं है तो फिर शिक्षा व खेलों के क्षेत्र में श्रेष्ठता की होड़ में इतनी विषमताएं क्यों हैं? इस विषय पर वास्तव में मंथन की आवश्यकता है। अगर गौर से देखें तो इसका मुख्य कारण शिक्षण व्यवस्था में व्याप्त खामियां हैं।

एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि शिक्षा में सरकारी दखलअंदाजी कम होनी चाहिए। आज इंजीनियरिंग, बी.एड., एसटीसी, मैनेजमेंट, आईटी और लॉ आदि विषयों के दाखिले के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया अपनाई जाती है। वास्तव में हकीकत यह है कि उपलब्ध सीटों के मुकाबले प्रवेश करने वाले छात्रों की संख्या ही काफी कम है। ऐसे ही दशा में अनायास ही काउंसलिंग प्रक्रिया में विद्यार्थियों को उलझाकर अनावश्यक समय व धन दोनों की बर्बादी हो रही है। बहुत अच्छा हो, कॉलेज के चयन का अधिकार पूरी तरह महाविद्यालय की गुणवत्ता के आधार पर जनता को ही दे दिया जाये।

करीब 1.30 करोड़ छात्र सरकारी यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में अध्ययनरत हैं तथा यूनिवर्सिटी में हर छात्र पर सरकार औसतन 50,000 रुपये सालाना खर्च करती है। इस प्रकार अगर देखें तो सरकार ट्यूशन फीस पर ही हर साल 70,000 करोड़ रू. खर्च कर रही है। एलपीजी वितरण की भांति शिक्षा पर भी सब्सिडी दिए जाने का प्रावधान होना चाहिए ताकि सही हकदार को ही शिक्षा सब्सिडी मिले। इस प्रकार सरकारी धन से प्राप्त 70000 करोड़ रुपये का वितरण सवा सौ करोड़ सरकारी यूनिवर्सिटी व कॉलेज में पढ़ने वाले विद्यार्थियों में उद्देश्यानुसार किया जाना चाहिए। बहुत अच्छा हो कि **प्रथम दस प्रतिशत** बीपीएल परिवारों के सारे छात्रों को शत-प्रतिशत ट्यूशन फीस दी जाये। **द्वितीय इसके बाद अगले 10 फीसदी** टॉपर छात्रों को 100 फीसदी ट्यूशन फीस स्कॉलरशिप के रूप में दी जाये। चाहे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति कैसी भी क्यों ना हो? **तृतीय इसके पश्चात 40 फीसदी छात्रों** को ट्यूशन फीस देने के लिए बिना ब्याज वाले लोन दिए जाये। **शेष सारे छात्र** मार्केट रेट के आधार पर अपनी ट्यूशन फीस भरें इससे शिक्षा को प्रोत्साहन मिलेगा। जो 56000 करोड़ रूपये बच गये हैं। आधारभूत ढांचे के सुधार व रिसर्च फंडिंग जैसे आवश्यक कार्यों में लगाए जाएं। ऐसा करने से सरकारी विश्वविद्यालय व कॉलेजों में रिसर्च व शिक्षा का स्तर सुधर जायेगा और साथ ही साथ निजी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों के साथ प्रतिस्पर्धी वातावरण में आने के कारण कुल मिलाकर शिक्षा के क्षेत्र में काफी सकारात्मक परिवर्तन लाए जा सकते हैं। हम कैम्ब्रिज और स्टेनफोर्ड जैसे शिक्षण संस्थाओं के समान विश्वस्तरीय शिक्षण संस्थानों की स्थापना कर हमारे अतीत को पुनः लौटा सकते हैं। स्वाधीनता दिवस के उपलक्ष में मैं आप सभी को हार्दिक बधाई और जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

आशा है फिर मिलेंगे, प्रेम, स्नेह व सम्मान के साथ...

संजय

प्रो. संजय बियानी
www.sanjaybiyani.com

एक समाज, सपना, संकल्प और मंजिल...

70वें स्वतंत्रता दिवस दिल्ली के लाल किले से मोदी ने फहराया झण्डा

देश की आजादी के 70वें साल का जश्न देशभर में हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के लाल किले से झण्डे फहराया और सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आओ एक समाज, एक सपना, एक संकल्प और एक मंजिल की दिशा में आगे बढ़ें। मोदी ने अपने भाषण में कहा कि देश को गरीबी से आजादी दिलाने से बड़ी कोई आजादी नहीं हो सकती है। हमारे देश की सबसे बड़ी चुनौती है गरीबी। अगर हम अपनों से लड़ने की बजाय गरीबी से लड़ेंगे तो देश विकास की ओर बढ़ेगा। हिंसा से किसी का भला नहीं होता है। हम सम्मान करना जानते हैं, सत्कार करना जानते हैं। इसी के साथ महत्वपूर्ण घोषणाओं में मोदी ने हर दुकान चलाने वाले को 365 दुकान चलाने का मौका दिया है। उन्होंने कहा कि नौजवानों के लिए बहुत से अवसर पैदा हो रहे हैं, जैसे-जैसे काम बढ़ेगा वैसे-वैसे मौके बढ़ेंगे। समय की मांग है कि युवाओं को रोजगार मिले और पूरे देश का कल्याण हो सके। आजादी के बाद 33 हजार से अधिक पुलिस और जवानों का बलिदान हुआ है यह पर्व उन्हें नमन करता है। इसी दिशा में वन रैंक वन पेंशन को लागू किया गया। उन्होंने कहा कि भारत के पास अगर लाखों समस्याएं हैं तो भारत के पास मस्तिष्क भी है जो समाधान निकालने की ताकत रखता है। मोदी ने कहा कि स्वराज को सुराज में बदलना 125 करोड़ देशवासियों का संकल्प है। वेद से लेकर विवेकानंद तक, उपनिषद् से लेकर उपग्रह तक, सुदर्शनधारी मोहन से लेकर चरखाधारी मोहन तक, भीम से लेकर भीमराव तक भारत का एक पुरातन इतिहास रहा है। उन्होंने कहा कि पटेल, नेहरू और गांधी ने संघर्ष किया उसी का नतीजा है कि हमें आजादी में सांस लेने का मौका मिला है।

पॉजिटिव रहने का एक अहम तरीका यह भी है कि हम दूसरों का सम्मान करें, तो लीजिए हमारा भी सम्मान करेंगे। 'मैं आपका सम्मान करता हूं' कहने का भी अभ्यास करें।

लोकसभा में सर्वसम्मति से पास हुआ जीएसटी बिल

असम जीएसटी पर मुहर लगाने वाले देश का पहला राज्य

नई दिल्ली। जीएसटी बिल हाल ही में लोकसभा में भी सर्वसम्मति से पास हो गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जीएसटी का सबसे बड़ा संदेश - 'कंज्यूमर इज किंग' है। जीएसटी पर आतंकवाद को रोकने की दिशा में एक बड़ा कदम है। जीएसटी को किसी पार्टी या सरकार की विजय नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परंपरा और सभी की जीत के रूप में देखा जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि जीएसटी का अर्थ 'ग्रेट स्टेप बाई इंडिया' है, जीएसटी का अर्थ ग्रेट स्टेप टूवर्ड्स ट्रांसपेरेंसी, ग्रेट स्टेप टूवर्ड्स ट्रांसफार्मेशन है, इसलिए हम एक-एक नई व्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं जो 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के सपने को साकार करने वाली है।

पूरे देश में एक समान और प्रत्यक्ष कर व्यवस्था के प्रावधान वाले जीएसटी विधेयक को अनुमोदित करने वाला असम पहला राज्य बन गया है। असम विधानसभा के अध्यक्ष रंजीत कुमार दास ने सदन में घोषणा की 'मैं, संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित जीएसटी विधेयक को असम विधानसभा द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदित किये जाने की घोषणा करता हूं।'

जीएसटी से होने वाले लाभ-हानि का आंकलन सभी उद्योगों ने शुरू कर दिया है। टैक्सटाईल उद्योग में जीएसटी को लेकर आशा जगी है। सिंगल विंडो होने से अलग-अलग करों के झंझट और काम का बोझ काफी कम होने की उम्मीद की जा रही है लेकिन साथ ही जीएसटी को धरातल पर आने और उसके व्यवहारिक स्वरूप को लेकर आशंकाएं भी हैं। जीएसटी को कारगर तरीके से लागू करने के लिए जरूरी होगा कि पिछले 7 दशक से मौजूदा टैक्स व्यवस्था के काम करने के तरीके को भी बदला जा सके। सवाल अफसरशाही की मानसिकता को लेकर है जिसके काम करने के तरीके पर हमेशा से सवाल उठते रहे हैं। अब अगली चुनौती जीएसटी के लिए एक पारदर्शी, ऑनलाइन सॉफ्टवेयर बैकअप, अधिकारियों की ट्रेनिंग और जरूरी बुनियादी ढांचे के दूसरे पहलुओं को जल्दी से जल्दी तैयार करने की होगी।

माना जा रहा है कि जीएसटी की व्यवस्था से भ्रष्टाचार और काले धन पर रोक लगाने में सहायता मिलेगी, इससे कर एकत्रित करने की लागत में कमी आयेगी और सरकारी हस्तक्षेप को कम करने में मदद मिलेगी, जिससे भ्रष्टाचार शून्य की ओर बढ़ेगा।

अलग-अलग राज्यों में परीक्षा में, टैक्स प्रोसेसिंग, रेट के संबंध में एकरूपता आयेगी जहां आज छोटे-छोटे उद्यमियों, व्यापारियों को जूझना पड़ता है इससे यह परेशानी समाप्त हो जायेगी। एक सरलीकरण आ जायेगा, छोटे उद्यमियों को भी लाभ रहेगा, उपभोक्ता को सबसे अधिक लाभ होने वाला है, छोटे कारोबारियों को यह सुरक्षा की गारंटी देता है।

पहले फ्री में आईआईटी में पढ़ो, फिर नौकरी लगने के बाद चुकाओ पैसा

आईआईटी-खड़गपुर की नई योजना
पढ़ो, कमाओ, लौटाओ

केंद्र से बजट कटौती के बाद आईआईटी-खड़गपुर फंड जुटाने के लिए अलग और नई तरह की योजना के साथ सामने आया है। आईआईटी खड़गपुर की इस 'लर्न-अर्न-रिटर्न फंड' योजना के तहत स्टूडेंट्स मुफ्त में पढ़ाई कर पाएंगे, लेकिन नौकरी मिलने के बाद उन्हें पैसे संस्थान को डोनेट करने होंगे। यह स्कीम इस नए एकेडमिक सेशन से शुरू की गई है।

मेरिट और आर्थिक स्थिति होगी चयन का आधार

नई स्कीम के तहत आईआईटी-खड़गपुर स्टूडेंट्स को बाजार रेट्स पर फीस माफी या स्कॉलरशिप देने की व्यवस्था करेगा। इसका आधार मेरिट और स्टूडेंट्स की आर्थिक स्थिति को बनाया गया है। ऐसे स्टूडेंट्स जिनका एकेडेमिक रिकॉर्ड शानदार है, उनकी पूरी फीस भी माफ की जा सकती है। टॉप-100 रैंक में आने वाले नए दाखिला लेने वाले छात्रों को भी यह सुविधा मिलेगी।

Give people a piece of your heart rather than your mind.
- Priyanka Chopra

खबरें फटाफट

प्रदेश

गर्व

राजस्थान की पहली कमर्शियल महिला पायलट बनी पारुल

जयपुर में बीएससी तक पढ़ाई कर चुकी झुंझुनूं निवासी पारुल शेखावत ने राजस्थान की पहली कॉमर्शियल महिला पायलट होने का गौरव हासिल किया है। अब तक एयरइंडिया में को-पायलट की भूमिका अदा करने वाले पारुल जुलाई के अंत में कैप्टन पायलट बनी हैं और अब वह बोइंग 777 जैसा बड़ा विमान अंतर्राष्ट्रीय मार्गों पर उड़ा रही है। जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल से रिटायर हो चुके डॉक्टर नरपत सिंह शेखावत की पुत्री पारुल की इस कामयाबी के बाद उसके गांव झुंझुनूं जिले के बड़ागांव में लोग जश्न मना रहे हैं। एयर इंडिया में को-पायलट के रूप में पारुल लंदन, शिकागो और न्यूयार्क जैसे लम्बे मार्गों पर नियमित उड़ान भरती थी। उसी दौरान पारुल ने विशेष प्रशिक्षण प्राप्त कर कनाडा, चीन, अफ्रीकी देशों, पेरिस व जर्मनी के लिए भी उड़ाने भरी थी।

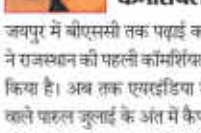

एमओयू

कैंसर के प्रति जागरूकता और इलाज के बारे में जानकारी देने की पहल का एमओयू साईन

जयपुर। बियानी शिक्षण समिति और इंटरनेशनल नेटवर्क फॉर कैंसर ट्रीटमेंट एण्ड रिसर्च संस्था के बीच हाल ही में एक एमओयू साईन किया गया है। आईएनसीटीआर गैर-सरकारी संगठन है, जिसके प्रोफेशनल संबंध वर्ल्ड हैल्थ ऑर्गेनाइजेशन से है।

बियानी शिक्षण समिति के चेयरमैन डॉ. राजीव बियानी और आईएनसीटीआर संस्था के अध्यक्ष डॉ. शिवराज सिंह के हस्ताक्षरित समझौते का मुख्य उद्देश्य भारत के ग्रामीण इलाकों में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उससे बचाव के बारे में बताने की पहल की जायेगी। देश में बढ़ते कैंसर के प्रकोप से बचने के लिए कैंसर के कारण, बचाव और इलाज के बारे में जानकारी देना जरूरी है। इसके लिए दोनों संस्थाएं राजस्थान के गांवों से शुरूआत करेंगी।

निर्णय

72 प्रतिशत खाली सीटें खुद भर सकेंगे कॉलेज

जयपुर। प्रदेशभर में संचालित एमबीए, एमसीए और होटल मैनेजमेंट के 68 कॉलेज अब खुद के स्तर पर सीटें भर सकेंगे। इनमें सेन्ट्रल एडमिशन प्रक्रिया के तहत 5 हजार सीटों पर 18 प्रतिशत आवेदन आए। ऐसे में बड़ी संख्या में खाली सीटों को देखते हुए उच्च शिक्षा विभाग ने हाल ही में इन कॉलेजों को खुद सीटें भरने के निर्देश जारी कर दिए है।

पहल

ट्रेनों में महिलाओं के कोच में लगेंगे सर्विलांस सिस्टम

जयपुर। महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेल्वे प्रशासन ट्रेनों में महिलाओं के कोच में क्लोज सर्किट टेलीविजन कैमरा सर्विलांस सिस्टम लगाया जाएगा। महिला खुद का असुरक्षित महसूस करें तो इस स्विच को दबा होगा। इससे संबंधित कंट्रोल रूम में मेसेज जाएगा। जिसमें कोच नंबर की सूचना होगी। इस सूचना के आधार पर आरपीएफ जवान तत्काल कोच में पहुंच जाएंगे। शुरूआत में रेलवे के ए और ए-1 क्लास के स्टेशन पर लगाया जा रहा है। इसमें जयपुर, रेवाड़ी, फुलेरा, अलवर, बांदीकुई सहित अन्य स्टेशन शामिल है साथ ही ट्रावल शाह ए पंजाब एक्सप्रेस के 1 कोचों में, केरला एक्सप्रेस, मन्नानी एक्सप्रेस और रामेश्वरम एक्सप्रेस के एक-एक कोच में यह व्यवस्था की गई है। इनमें प्रयोग सफल होने के बाद अन्य ट्रेनों के महिला कोचों में सर्विलांस सिस्टम लगाए जाएंगे।

अतुल्य भारत ! Incredible India!

आइये जानें भारत की कुछ विशेषताएं जो इसे अन्य देशों से अलग करती है और हमें भारतीय होने का गर्व महसूस कराती हैं।

यू.एस.ए. में रहने वाले भारतीयों की तादाद वहां की जनसंख्या का 1 प्रतिशत से भी कम है, इसके बावजूद वहां की जनसंख्या के 12 प्रतिशत साइंटिस्ट, 38 प्रतिशत डॉक्टर और नासा में कार्य करने वाले एम्पलॉईज में 36 प्रतिशत भारतीय अथवा भारतीय मूल के है। एक और महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि माइक्रोसॉफ्ट कम्पनी के 34 प्रतिशत, आईबीएम के 28 प्रतिशत, इंटेल कॉरपोरेशन के 17 प्रतिशत और सिरॉक्स कॉरपोरेशन के 13 प्रतिशत कर्मचारी भारतीय अथवा भारतीय मूल के है। आइये अतुल्य भारत की और भी बातें करें...

1. भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है।
2. भारत का अंग्रेजी में नाम 'इंडिया' इंडस नदी से बना है।
3. बीज गणित, त्रिकोणमिति और कलन (Calculus) भारत में ही आरंभ हुआ था।
4. 'स्थान मूल्य प्रणाली' (Place Value System) और 'दशमलव प्रणाली' का विकास भारत में 100 ईसा पूर्व में हुआ था।
5. मार्शल-आर्ट्स की खोज सर्वप्रथम भारत में की गई जो बौद्ध धर्म प्रचारकों द्वारा एशिया भर में फैलाया गया।
6. भारत जनसंख्या के हिसाब से दूसरा बड़ा देश और क्षेत्रफल के हिसाब से सातवां बड़ा देश है।
7. भारत में आयोजित होने वाला 'कुंभ मेला', हिन्दुओं का सबसे बड़ा धार्मिक त्यौहार है, जो हर 12 साल में आयोजित किय जाता है। 2016 के कुंभ मेले में 10 करोड़ से ज्यादा लोग एक साथ एक जगह एकत्रित हुए।
8. बैंगलुरु में 1500 से ज्यादा सॉफ्टवेयर कम्पनियां है।
9. इंडियन रेलवे विश्व का सबसे ज्यादा रोजगार उपलब्ध करवाने वाला क्षेत्र है।
10. पाई की वैल्यू सबसे पहले भारत में कैलकुलेट की गई थी।
11. विश्व का पहला ज्ञात विश्वविद्यालय 'तक्षशिला' के नाम से भारत में स्थापित किया गया था।
12. भारत दुनिया का सबसे बड़ा आम उत्पादक देश है।
13. भारत में पक्षियों की करीब 1200 जातियां पाई जाती है।
14. भारत का ताजमहल दुनिया में प्रेम प्रतीक के रूप में जाना जाता है।
15. भारत में किसी भी दूसरे देशों से ज्यादा फिल्में बनाई जाती है और बॉलीवुड विश्व की सबसे बड़ी फिल्म इंडस्ट्री है।
16. भारत में करीब 800 बोलियां और 15 प्रमुख भाषाएं है।
17. भारत विश्व का सबसे बड़ा चाय उत्पादक देश है।
18. भारत किसी भी दूसरे देशों से ज्यादा सोने का आयात करता है।
19. केले के निर्यात में भारत विश्व में सबसे आगे है। दूसरे नम्बर पर ब्राजील है।
20. भारत विश्व के हर बड़े धर्म का प्रतिनिधित्व करता है। इसके अलावा हिन्दू धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म और सिख धर्म की शुरूआत भारत में ही हुई थी।
21. लगभग 80 प्रतिशत भारतीय हिन्दू है। मुसलमान भारत में सबसे बड़े अल्पसंख्यक है और 13 प्रतिशत देश की आबादी के रूप में है। वास्तव में दुनिया में इंडोनेशिया और पाकिस्तान के बाद भारत तीसरे स्थान पर है जहां मुसलमानों की बड़ी आबादी है।
22. भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क वाला और दूसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क वाला देश है।

मानसून में कैसे बरकरार रखें फैशन का टशन

मानसूनी फुहारों में भीगना तो आपको पसंद ही होगा पर इस मौसम में सबसे ज्यादा परेशानी तब होती है, जब बारिश में भीगने के बाद कपड़ों और बालों समेत आपके पूरे लुक का हो जाता है हाल-बेहाल।

मानसून में स्टाइलिश लुक पाने के लिए ऑप्शंस की कमी होती है। यह मौसम कैप्री, बरमूडा, शॉर्ट्स और स्कर्ट को अलमारी से बाहर निकालने के लिए सबसे अच्छा और सही होता है। इस मौसम में आरामदेह और लूज कपड़ों का चयन करें। अगर आप वर्किंग वुमन है तो बारिश में भीगने के बाद ऑफिस में सहज दिख पाना थोड़ा मुश्किल होता है। ऐसे में कपड़ों का चयन सही हो तो इस स्थिति से बचा जा सकता है। अगर आप ऑफिस ट्राउजर या पैंट पहनकर जाती है तो उन्हें फोल्ड करके स्टाइलिश लुक पा सकती है। फुल या फ्लोर लैंथ के बजाय एंकल लैंथ, नी लैंथ या केप्री पहन सकती है। इसके अलावा वाटरप्रूफ बैग और रेनकोट साथ रखना ना भूलें।

इस मौसम में आप चाहे जितना बचें थोड़ा बहुत भीग ही जाती हैं। ऐसे में बारिश में हेवी मेकअप के बजाय हल्का और नेचुरल मेकअप करें। हां, फैशनेबल दिखने के लिए ब्राइट रंग की वॉटरप्रूफ लिपस्टिक लगाएं। मानसून रंगों के साथ प्रयोग करने का उत्तम समय है। नए-नए कलर ट्राई करें और अपने आपको नया लुक दें। नमी वाले इस मौसम में गर्ल्स की त्वचा का खास ध्यान रखने के लिए अधिकांश कॉटन, सेमी कॉटन, शिफॉन की पोशाक बाजार में है ताकि इनसे त्वचा पर कोई नुकसान ना हो। कॉटन के अलावा मानसून प्रेमियों के लिए जॉर्जट, लेनिन और सिल्क में भी साड़ियां और सलवार सूट के ढेर सारे कलेक्शन हैं। साड़ियां और सलवार - सूट के कई तरह के आकर्षक डिजाईन जैसे बड़े-बड़े प्रिन्ट, डिजीटल प्रिन्ट, फ्लोरल प्रिंट और छोटे छींट के डिजाइन मार्केट में उपलब्ध है। फैशन डिजाइनर्स की मानें तो मानसून में चटख रंग पहनना चाहिए। चटख रंग वाले वाटरप्रूफ बैग और रेनकोट आपको भीड़ से अलग दिखाएंगे। इसी के साथ सावन में लहरिया और बंधेज पैटर्न का कॉम्बिनेशन खास है।

पैशिक का रखें ख्याल।

इस मौसम में पैशिक का खास ख्याल रखना चाहिए। बरसात, वॉटर बीमारी पर जल्दी दुखता नहीं और जीर्ण से दिक्कतों भी है। ऐसे मौसम में पोरी कपड़ें, शिफॉन, सिल्क, रेयान और सूती पैशिक पहनें। शिफॉन और जॉर्जट ऐसे पैशिक है जो भीगने पर जल्दी सूख जाते है और इन्हें आयरन करने की भी जरूरत नहीं होती।

The clean power plan will improve the future health and well-being of our children and families on climate act.
- Barack Obama

खबरें फटाफट

देश

मंजूरी

मेडिकल, डेंटल पाठ्यक्रमों के लिए समान प्रवेश परीक्षा को मिली मंजूरी

नई दिल्ली। देश में अब मेडिकल और डेंटल पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एक ही परीक्षा राष्ट्रीय पात्रता सहप्रवेश परीक्षा (एनईईटी) का आयोजन होगा, संसद में इस संबंध में पारित दो विधेयकों को राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने हाल ही में मंजूरी दे दी.

इन कानूनों का लक्ष्य प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना, एक से ज्यादा प्रवेश परीक्षाओं को समाप्त करना तथा काउंसलिंग के नाम पर छात्रों का शोषण रोकना है। दोनों अधिनियमों के कानून बनने के बाद अब मेडिकल और डेंटल शिक्षा में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाने वाले सभी शिक्षण संस्थानों में एक ही प्रवेश परीक्षा के आधार पर दाखिला होगा।

नई ग्रेडिंग

नैक की ग्रेडिंग में अब 'ए प्लस' 'ए प्लस-प्लस' भी

लखनऊ। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) की ग्रेडिंग में केवल 'ए' ग्रेड पाने भर से काम नहीं चलेगा। ग्रेडिंग में अब 'ए प्लस' और 'ए प्लस-प्लस' भी होंगे। 'ए' ग्रेड की संस्थानों के बीच अंतर करने के लिए नैक ने ग्रेडिंग की नई प्रणाली लागू कर दी है अब नैक की ग्रेडिंग नई प्रणाली पर ही होगी। राजधानी में ही बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर, आईटी कॉलेज, नेशनल पीजी, जय नारायण पीजी कॉलेज और रजत गर्ल्स कॉलेज को ए ग्रेड मिला हुआ है। जबकि लखनऊ विश्वविद्यालय को बी ग्रेड से ही समझौता करना पड़ा है। वहीं जो भी संस्था डी ग्रेड में आयेगा उसे नॉट एक्रेडिएटेड स्टेटस में रखा जाएगा।

पहल

अब गेस्ट टीचर्स को मिलेगा एक्सपीरियंस सर्टिफिकेट

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के स्कूलों में पढ़ाने वाले गेस्ट टीचर्स को अब एक्सपीरियंस सर्टिफिकेट मिल सकेगा। एक्सपीरियंस सर्टिफिकेट गेस्ट टीचर्स को उनके स्कूल में ही मिल जायेगा। इसके लिए उन्हें शिक्षा विभाग के विभिन्न दफ्तरों के चक्कर काटने की जरूरत नहीं पड़ेगी। गेस्ट टीचर्स एक्सपीरियंस सर्टिफिकेट का फॉर्मेट शिक्षा विभाग की वेबसाईट से डाउनलोड करके उसका प्रिन्ट आउट निकाल लेंगे और उसे भरकर स्कूल प्रिंसिपल को दे देंगे।

Radhika Thinks...

Thoughts that can change your destiny

1. Strive for excellence, Not perfection
2. Life is similar to a boxing ring.... defeat isn't final when you fall down, it's final when your refuse to get up.
3. The darkest time of the day is a minute before sunrise. When you feel the darkest moment in your life, just remember that sunrise is a minute away.
4. An educated man of yesterday, who stops learning today, becomes uneducated tomorrow.
5. Others will follow your footsteps more easily than they will follow your advice.

एक मुलाकात : डॉ. संजीव धूरीया

(MD (Gen. Medicine) Heart & Diabetes Specialist डॉ. धूरीया हॉस्पिटल

(साक्षात्कारकर्ता : अमित वर्मा)

कैसे करें डायबिटीज कंट्रोल?

डायबिटीज के बारे में जानकारी ही बचाव है। सबसे पहले हमें हमारी दिनचर्या और खान-पान को सही करना होगा। शारीरिक रूप से चुस्त रहने के लिए पैदल चलना, दौड़ना, और साइकिलिंग करना बहुत जरूरी है। जंक फूड, फास्ट फूड, ज्यादा तेल, मसाले वाले खाने की बजाए साधारण भोजन करना चाहिए।

डायबिटीज क्या है एवं ये क्यों होती है?

डायबिटीज एक ऐसी बीमारी है जिसमें रोगी के खून में ग्लूकोज की मात्रा आवश्यकता से अधिक हो जाती है, ऐसा दो वजहों से हो सकता है या तो आपका शरीर पर्याप्त मात्रा में इन्सुलिन नहीं बना पा रहा है या फिर आपके कोशिकाएं बन रही इन्सुलिन पर प्रतिक्रिया नहीं दे पा रही है। इन्सुलिन एक हार्मोन है जो आपके शरीर में कार्बोहाईड्रेड और मेटाबालिज्म को कंट्रोल करता है

डायबिटीज के अलग-अलग प्रकारों के बारे में हम सुनते है... ये प्रकार कौन-कौन से होते है?

जी हां... डायबिटीज कई प्रकार की होती है। टाइप-फर्स्ट डायबिटीज, टाईप-सैकण्ड डायबिटीज और जेस्टेशनल डायबिटीज। फर्स्ट टाईप डायबिटीज छोटे बच्चों में होती है। इन बच्चों में इंसुलिन बनना बंद हो जाता है, जिसके कारण शुगर हाई हो जाती है। इन बच्चों को इंसुलिन बाहर से इंजेक्शन के द्वारा दी जाती है। टाईप सैकण्ड डायबिटीज बड़े लोगों में लगभग 30-35 वर्ष की उम्र में होने का खतरा रहता है, जबकि जेस्टेशनल डायबिटीज महिलाओं में प्रेगनेंसी के दौरान होती है।

डायबिटीज के लक्षण कौन-कौन से होते है?

डायबिटीज के लक्षणों में रोगी को पॉलीयूरिया, बार-बार प्यास लगना, बार-बार भूख लगना फिर भी वजन कम होना इत्यादि शामिल है। इसके अलावा नजर का धुंधला होना, कमजोरी, सिरदर्द, सुस्ती कम्पन, तेज धड़कन, बेहोशी या दौरे पड़ना भी डायबिटीज के लक्षण है। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत जाकर शुगर की जांच करानी चाहिए।

डायबिटीज के बचाव हेतु घरेलु उपचार कौन-कौन से होते है?

डायबिटीज के बारे में जानकारी ही बचाव है। सबसे पहले हमें हमारी दिनचर्या और खान-पान को सही करना होगा। शारीरिक रूप से चुस्त रहने के लिए पैदल चलना, दौड़ना, और साइकिलिंग करना बहुत जरूरी है। जंक फूड, फास्ट फूड, ज्यादा तेल, मसाले वाले खाने की बजाए साधारण भोजन करना चाहिए।

डायबिटीज के मरीज को समय-समय पर शुगर, किडनी, पैर व आंखों की जांच करानी चाहिए। डायबिटीज नियंत्रण के लिए इंसुलिन सिरिंज, ऑटो पैन और इंसुलिन पम्प का प्रयोग किया जाता है।

बियानी टाइम्स के पाठकों को आप क्या संदेश देना चाहेंगे?

डायबिटीज एक ऐसा रोग है जिस पर जितना कम ध्यान दिया जाता है वह बाद में उतनी ही ज्यादा परेशानी देता है। डायबिटीज को लोग हमेशा नजरअंदाज करते रहते है। लेकिन वास्तव में डायबिटीज के मरीजों के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है, अपने ईलाज और देखभाल के प्रति जागरूक रहा जाए।

ब्लॉगिंग : मार्केटिंग का एक माध्यम

[illegible] ब्लॉगिंग आज के [illegible] का एक [illegible] है। इन्हीं लेखों के जरिए [illegible] का प्रसार कर [illegible] ब्लॉगिंग [illegible] का बढ़िया टूल है ब्लॉगिंग।

विनीत गुप्ता (क्रीएटिव प्रोफेशनल, बिजनेस मार्केट कॉलेज)

आज के टेक्नोलोजी और इन्टरनेट के वातावरण में संचार और अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए कई तरह के साधन उपलब्ध है। ब्लॉगिंग उनमें से एक है। समय के साथ ब्लॉगिंग के उपयोग में बदलाव आये है। कोई, समय बिताने के लिए, कोई, अपने विचारों को संजोने के लिए और कोई, अपने शौक के लिए ब्लॉग लिखता है। इसी के साथ आज के कम्प्यूटर के युग में ब्लॉगिंग मार्केटिंग का अच्छा टूल बनकर उभरा है।

साईट पर डाले गये अच्छे लेख किसी भी संस्था के संस्थापक और उपभोक्ता दोनों के लिए फायदेमंद है। ब्लॉग की सहायता से यूजर अपने अनुभव शेयर करते है। इसी का परिणाम है कि आजकल हर वेबसाईट पर ब्लॉग का एक अलग टैब होता है, जहां उपभोक्ता अपने अनुभव शेयर करते है। ब्लॉग पर डाले गये अच्छे लेख किसी भी संस्था कि साख बनाने के काम में आते है।

ब्लॉग की उपयोगिता को बरकरार रखने के लिए नियमितता और क्वालिटी का विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है। ब्लॉगिंग के जरिए मार्केटिंग भी की जा सकती है। जिसके तरीके निम्न है -

- ब्लॉगिंग के जरिए वेबसाईट पर आने वाले विजिटर्स की संख्या में वृद्धि होती है। इन विजिटर्स को आकर्षक ऑफर्स के जरिए उपभोक्ताओं में तब्दील किया जा सकता है।
- ब्लॉगिंग के जरिए उपभोक्ता की शिकायतें या सुझाव ऑनर तक आसानी से कम समय में पहुंच जाते है। जिससे उत्पाद की गुणवत्ता सुधार कर उपभोक्ताओं का विश्वास और संतुष्टि हासिल की जा सकती है।
- अपने ब्लॉग या उसके लिंक को सोशल मीडिया के जरिए शेयर करके लाभ उठाया जा सकता है।

ब्लॉगिंग में विविधता आवश्यक है, परन्तु विविधता के कारण ये याद रखें कि हम अपने मूल उद्देश्य से ना भटक जायें। वेबसाईट पर उपलब्ध जानकारी का सत्य और विश्वसनीय होना आवश्यक है। यह उपभोक्ता का विश्वास अर्जित करने व उसे लंबे समय तक बनाये रखने के लिए अतिआवश्यक है।

ब्लॉग का क्रॉस प्रमोशन भी जरूरी है। अपना विजिटर्स बेस बढ़ाने के लिए आप क्रॉस प्रमोशन का विकल्प चुन सकते है। आप अपने फील्ड से जुड़े किसी अन्य लेखक का लिंक अपने ब्लॉग पर साझा कर सकते है। इससे आप उस लेखक का और वह आपका प्रचार करता है। इसमें दोनों का फायदा है क्योंकि दोनों अपने विजिटर्स बेस को एक तरह से शेयर करते है। क्रॉस प्रमोशन के सिद्धान्त को बिजनेस में विभिन्न स्तरों पर आजमाया जाने लगा है। इसमें दोनों पक्षों का फायदा होता है।

अच्छी ब्लॉगिंग के जरिए लेखों की एक विश्वसनीयता मार्केट में बनती है। लोग किसी चीज को खरीदने से पहले आपकी वेबसाईट पर दी गई जानकारी पढ़ना पसंद करते है। जानकारी सटीक ही दें। लोगों के लिए अपने उपयोगी लेखों का प्रसार करने से आपकी सामाजिक छवि तो बढ़ती है ही साथ ही साथ आप एक विशेषज्ञ के रूप में खुद को स्थापित कर लेते है।

बड़ी संख्या में आपके फॉलोवर होने पर यदि आप किसी चीज पर शिकायत दर्ज कराते है तो दूसरी पार्टी जल्दी सुनने के लिए मजबूर हो जाती है। इतना ही नहीं, आपकी विशिष्ट छवि के कारण आपकी बात सुनी जाती है।

Spontaneity arises out of clarity, intuition & response, impulsiveness is only emotions & reactions. The way to change is meditation.
- Sri Sri Ravi Shankar

"गणेश चतुर्थी विशेष"

गणेश जी से सीखें मैनेजमेंट

भारतीय संस्कृति में हर शुभ कार्य के लिए गणेश जी की अराधना की जाती है। हर शुभ कार्य चाहे वह पारिवारिक हो, सामाजिक हो या फिर आर्थिक हो, सभी की शुरूआत गणेश जी की अराधना से होती है। कलयुग में गणेश जी का चित्र सांकेतिक रूप से मैनेजमेंट से संबंधित बहुत से गुणों को दर्शाता है।

सुनना आना चाहिए : किसी भी मनुष्य के सभी गुणों में से देखा जाये तो सर्वश्रेष्ठ गुण सुनने की कला है। अगर हम ठीक से सुनना जान जायें तो हम ज्ञानी बन जायेंगे और इसी ज्ञान के आधार पर जीवन में सही निर्णय लेने की क्षमता का विकास कर पायेंगे। गणेश जी का चित्र गौर से देखें तो उनके बड़े-बड़े कान हमेशा ये बतलाते हैं कि ज्ञानी बनने के लिए ठीक से सुनना आना चाहिए। हमें अपने से छोटे, बड़े, निर्धन व समृद्ध आदि सभी को ठीक से सुनना आना चाहिए। देखा गया है कि अधिकतर लोग मानो यह कह रहे हैं कि तुम चुप रहो, बस मुझे सुनो, बस यहीं से अज्ञानता का रास्ता आरंभ हो जाता है।

कर्म का सिद्धांत : गणेश जी के चित्र में हमें चार हाथ दिखाई देते हैं। दायां हाथ कर्म का सूचक है तथा बायें हाथ में मोदक है। मनुष्य का ध्यान मुख्यतः मोदक रूपी प्रतिफल पर होता है, इसी कारण वह अपने कर्म को सर्वश्रेष्ठ तरीके से नहीं कर पाता। क्या कभी हमने सोचा है कि गणेश जी का दायां हाथ आशीर्वाद मुद्रा में है और बायें हाथ में ही मोदक क्यों है? ये प्रबंध की दूसरी महत्वपूर्ण शैली की ओर इंगित करता है। हर कार्य परिणाम में बदलता है। सबसे पहले हमारा ध्यान हमारी निर्णय क्षमता से तय किए गए कर्म पर ही रहना चाहिए ताकि हम ऊर्जा को समुचित रूप से कर्म पर ही केंद्रित कर सकें। परिणामस्वरूप मोदक रूपी प्रतिफल मिलना तो निश्चित है ही।

मन का नियंत्रण ही प्रसन्नता का आधार है : गणेश जी के दूसरे हाथ में हमें फरसा नजर आता है जो कि इंद्रियों के वशीभूत बढ़ती इच्छाओं को काटने का सूचक है। इच्छाओं पर नियंत्रण से ही मनुष्य अपने स्वयं के जीवन के उद्देश्य के प्रति केंद्रित हो पाता है। मन पर जब नियंत्रण होने लगता है तो बायें हाथ में प्रसन्नता व पवित्रता रूपी कमल स्थापित होने लगते हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि प्रसन्नता स्वयं नहीं आती बल्कि इच्छारूपी मन को समर्पित करके लानी पड़ती है। इस तरह से जो व्यक्ति अपने मन को नियंत्रण में कर लेता है, वह अपने अधीन अन्य सभी व्यक्तियों को भी नियंत्रित करने की स्थिति में आ जाता है।

अनमोल वचन

1. सफलता का स्वप्न सभी देखते हैं परन्तु बहुत कम लोग जागरूक होकर इसके लिए प्रयास करते हैं।
2. अगर ज्ञान ही असली धन है तो अपने अन्तः मन से पूछिए आप कितने धनी हैं।
3. डर, डर को आमंत्रित करता है, शंका, शंका को, स्नेह, स्नेह को और आनंद, आनंद को आमंत्रित करता है।
4. बोलना हमने सीख लिया है, परन्तु क्या नहीं बोलना - यह हमने नहीं सीखा है।
5. जो दोगे वही मिलेगा - निंदा... प्रशंसा...
6. ईश्वर आपके लिए नहीं है बल्कि आपके साथ काम करने के लिए है।

पंचांग

18 अगस्त	:	रक्षा-बंधन
25 अगस्त	:	जन्माष्टमी
4 सितम्बर	:	तीज
5 सितम्बर	:	गणेश चतुर्थी, शिक्षक दिवस

गीता माता 7

मोहनदास से महात्मा तक की यात्रा

वैसे तो भगवद् गीता पर टीका बहुत से लोगों ने लिखी है, पर वास्तव में गीता को अपनी नित्य जीवनशैली में पूर्णरूपेण बापू ने जीया है, इसलिए यह प्रासंगिक लगा कि बापू की डायरी के अंश आपके समक्ष रखे जायें। आशा है बापू की डायरी से ली गई यह अंशमाला आपके जीवन में आने वाली प्रत्येक समस्याओं के समाधान के रूप में आपको महसूस होगी

सातवां अध्याय

भगवान बोले, ''हे पार्थ, अब मैं तुझे बतलाऊंगा कि मुझ में चित्त पिरोकर और मेरा आश्रय लेकर कर्मयोग का आचरण करता हुआ मनुष्य निश्चयपूर्वक मुझे सम्पूर्ण रीति से कैसे पहचान सकता है। इस अनुभव-युक्त ज्ञान के बाद फिर और कुछ जानने को बाकी नहीं रहेगा। हजारों में कोई-कोई ही उसकी प्राप्ति का प्रयत्न करता है और प्रयत्न करनेवालों में कोई ही सफल होता है।

पृथ्वी, जल, आकाश, तेज और वायु तथा मन, बुद्धि और अहंकारवाली आठ प्रकार की एक मेरी प्रकृति है। इसे 'अपरा' प्रकृति और दूसरी को 'परा' प्रकृति कहते हैं, जो जीवरूप है। इन दो प्रकृतियों से अर्थात् देह और जीवन के संबंध से सारा जगत है। जैसे माला के आधार पर उसके मणिये रहते हैं, वैसे जगत मेरे आधार पर विद्यमान है। तात्पर्य जल में रस मैं हूं, सूर्य-चंद्र का तेज मैं हूं, प्राणीमात्र का जीवन मैं हूं, तपस्वी का तप मैं हूं, बुद्धिमान की बुद्धि मैं हूं, बलवान का शुद्धिबल मैं हूं, जीवनमात्र में विद्यमान धर्म की अवरोधी कामना मैं हूं, संक्षेप में सत्त्व, रजस् और तमस् से उत्पन्न होने वाले सब भावों का मुझसे उत्पन्न हुआ जान, उनकी स्थिति मेरे आधार पर ही है। मेरी त्रिगुणी माया के कारण इन तीन भावों या गुणों में रचे-पचे लोग मुझ अविनाशी को पहचान नहीं सकते है। उसे तर जाना कठिन है, पर मेरी शरण लेनेवाले इस माया का अर्थात् तीन गुणों को लांघ सकते है।

> पृथ्वी, जल, आकाश, तेज और वायु तथा मन, बुद्धि और अहंकारवाली आठ प्रकार की एक मेरी प्रकृति है। इसे 'अपरा' प्रकृति और दूसरी को 'परा' प्रकृति कहते हैं, जो जीवरूप है। इन दो प्रकृतियों से अर्थात् देह और जीवन के संबंध से सारा जगत है। जैसे माला के आधार पर उसके मणिये रहते हैं, वैसे जगत मेरे आधार पर विद्यमान है। मेरी त्रिगुणी माया के कारण इन तीन भावों या गुणों में रचे-पचे लोग मुझ अविनाशी को पहचान नहीं सकते है।
>
> M.K. Gandhi

पर ऐसे मूढ़ लोग मेरी शरण कैसे ले सकते है, जिनके आचार-विचार का कोई ठिकाना नहीं है ? वह तो माया में पड़े अंधकार में ही चक्कर काटा करते है और ज्ञान से वंचित रहते है, पर श्रेष्ठ आचारवाले मुझे भजते है। अनेक जन्मों के बाद ही मनुष्य ऐसा ज्ञान पाता है और उसे पाने पर इस जगत में मुझ वासुदेव के सिवा और कुछ नहीं देखता। पर कामनावाले मनुष्य तो भिन्न-भिन्न देवताओं को भजते है और जिसकी जैसी भक्ति, उसको फल देनेवाला तो मैं ही हूं।

रागद्वेष के द्वारा सुख-दुःख होते ही रहते है और उसके कारण जगत मोहग्रस्त रहता है, पर जो उसमें से छूट गये है और जिनके आचार-विचार निर्मल हो गये है, वे तो अपने व्रत से निश्चल रहकर निरंतर मुझे ही भजते रहते है? वे पूर्ण ब्रह्मरूप से सब प्राणियों से भिन्न-भिन्न प्रतीत होने वाले जीवरूप में रहे हुए मुझे और मेरे कर्म को जानते है। यों जो मुझे अधिभूत, अधिदेव और अधियज्ञरूप से पहचानते है और इससे जिन्होंने समत्व प्राप्त किया है, वे मृत्यु के अनंतर जन्म-मरण के बंधन से मुक्त हो जाते है: क्योंकि इतना ज्ञान लेने पर उनका मन अन्यत्र नहीं भटकता और सारे जगत को ईश्वरमय देखते हुए वे ईश्वर में ही समा जाते है।

श्री कृष्ण से सीखें जीवन प्रबंधन

युवाओं के लिए मार्गदर्शक के तौर पर भगवान एवं सखा श्रीकृष्ण से बढ़कर दूसरा कोई नहीं है। युवाओं के सबसे करीबी माने जाने वाले श्रीकृष्ण उनके लिए मित्रवत होने के साथ ही आदर्श गुरु भी हैं, जो उन्हें विपत्ति और संकट के समय गीता के ज्ञान से उजाले की ओर ले जाते हैं और तनाव से मुक्त करते हैं।

निष्क्रियता छोड़े

बादल आते है, बादल जाते है, बादल कभी एक जगह पर स्थिर रह नहीं सकता हमारे जीवन में भी समस्या आये, दुख आये तो जैसे बादल अस्थिर है, उसी तरह हमारी समस्या भी अस्थिर है, वो शाश्वत रहने वाली नहीं है। निदान करते समय डॉक्टर ने हमको ठीक यही समझाया। कर्मरत रहने के लिए अब दवा परमात्मा बता रहे है। 99 प्रतिशत बीमारी जो थी वो निष्क्रियता की थी उनकी। मैं नहीं लड़ूंगा न योत्स्य गोविन्दम्, न योत्स्य गोविन्दम्, न योत्स्य गोविन्दम् ये बीमारी उनकी यही है। मैं स्कूल में नहीं जाऊंगा। मुझे गणित समझ में नहीं आता। ईश्वर हमारे लिए नहीं है बल्कि हमारे साथ रहेगा। हमें अपना धनुष स्वयं ही उठाना होगा।

लॉ ऑफ कर्म

''कर्मण्येवाधिकारस्ते'' हे जीव, तेरा अधिकार कर्म में है। तो क्या अर्थ समझते हैं इसका? ये शब्द तो हम सभी ने बार-बार सुना है। इसके बारे में कौन नहीं जानते। कर्म में तेरा अधिकार है। इसका अर्थ यह हुआ कि कर्म करना या कर्म न करना ये भी विकल्प तेरा नहीं है। कर्म तो करा ही है। बाकी किस किस्म का कर्म करना या किस किस्म का कर्म न करना इनमें तेरा अधिकार है। मैं कर्म नहीं करूंगा। जैसे आज अर्जुन बोल रहा है कि ''न योत्स्य गोविन्दम्'' मैं युद्ध नहीं करूंगा। ये इसका अधिकार नहीं है।

व्यवहार कुशलता ही धर्म है

धर्म का अर्थ ये कोई मजहब की विचारधारा है, यह परमात्मा नहीं कह रहे हैं। तो धर्म यानि व्यक्ति का प्रति पल व्यवहार, इसको धर्म कहा जाता है। जो **धारयति इति धर्मः।** धर्म यानि चमड़ी, कपड़े नहीं। व्यक्ति का समय-समय पर स्थान-स्थान के ऊपर और पात्र-पात्र के ऊपर जैसे-जैसे परिवर्तन होता है, इनको धर्म कहा जाता है। धर्म बदलता रहता है। यानि व्यवहार कुशलता जो है सो बदलती रहती है और जब-जब हमारा व्यवहार बदलता रहे इनमें निष्ठा होनी चाहिए। व्यवहार की कुशलता भी ज्ञान से ही आती है।

दूरगामी सोच

श्रीकृष्ण की ओर से बोले गए श्लोकों पर आधारित भागवत गीता के अनुसार हमें सोच को संकुचित बनाने के स्थान पर दूरगामी और व्यापक बनानी चाहिए। उदाहरण के तौर पर जब पांडव मोम के लाक्षागृह में फंस गए तो महज एक चूहा उन्हें उपहार में दिया और केवल एक चूहे के जरिए पांडवों ने लाक्षागृह से बाहर निकलने का रास्ता ढूंढ जीवन को सुरक्षित किया। यह दूरगामी सोच का ही परिणाम रहा।

Verizon to acquire yahoo's operating buisness - Yahoo: Today is a big day for Yahoo!
- Marissa Mayer

मैनेजमेंट की सीख बना याहू का सफर

"एक लीडर के अन्दर अधिक धैर्य और दृढ़ता होनी चाहिए और उसे वो सहन करने में सक्षम होना चाहिए, जो कर्मचारी नहीं कर सकते। हमारे पास कभी भी पैसों की कमी नहीं होती। हमारे पास कमी होती है सपने देखने वाले लोगों की जो अपने सपनों के लिए मर सके।"

पिछले कुछ दिनों में विश्व की बेहतरीन कंपनियों में से एक याहू डाट कॉम के अमेरिकी कंपनी वेरिजोन द्वारा अधिग्रहण करने की खबर आई। याहू, जो कि इंटरनेट शुरूआती वर्षों से काफी प्रचलित साइट है उसका अधिग्रहण किसी अन्य कंपनी के द्वारा किया जाना अपने आप में एक आश्चर्यजनक घटना है। याहू के इस विशेष घटनाक्रम को अगर गौर से देखा जाये तो काफी विचित्र बातें दिखाई पड़ती है।

कहा जाता है कि अगर आप अपने प्रतिद्वन्द्वी से मुकाबला करने में व्यस्त नहीं हैं तो आप प्रतिद्वन्द्वी का हौसला बढ़ाने में व्यस्त हैं। याहू के प्रबंधन बोर्ड से भी कुछ इसी तरह की विशेष गलतियां रही हैं।

इस पतन का सबसे महत्वपूर्ण कारण याहू कंपनी का किसी एक विशेष क्षेत्र में ध्यान नहीं देना है। याहू एक पोर्टल है, सर्च इंजन है, स्पोर्ट्स एवं म्यूजिक चैनल इत्यादि है। टॉप मैनेजमेंट ने किसी एक क्षेत्र में विशेष विकास नहीं किया है तथा उसने अत्यधिक क्षेत्रों में अपने पैसा, समय व मैन पावर का निवेश किया है। जबकि उसके प्रतिद्वन्द्वी फेसबुक एवं गूगल ने एक क्षेत्र विशेष में प्राथमिकता रखी हुई है।

सफल व्यवसाय के लिए वक्त से आगे की सोच तथा अपने कार्यों की प्राथमिकता तय करना जरूरी है। सूचना तकनीक के अतिकुशल तथा तीव्र विकास की वजह से हर व्यवसाय को बहुत सतर्क रहना पड़ता है। गूगल अपने सर्च इंजन व्यवसाय तथा फेसबुक अपने यूजर बेस की वजह से बहुत आगे निकाल चुका है। गत वर्ष वेरीजॉन ने एओएल का भी अधिग्रहण किया है जिससे वह अब एक अच्छे यूजर बेस के साथ नये सिरे से कार्यशील है। वेरिजोन एक मोबाइल सर्विस प्रोवाइडर है तथा अपनी प्रगति पर बहुत केंद्रित है। याहू ने बोर्ड में अपने बीते कुछ वर्षों में आवश्यक/अनावश्यक बदलाव भी किये हैं तथा सैकड़ों लोगों को नौकरी से बाहर का रास्ता भी दिखाया है। जिससे कंपनी की ब्रांड इमेज का भी बहुत नुकसान हुआ है।

सन् 2000 में याहू की वैल्यू आज की मार्केट वैल्यू से कई गुना रही थी लेकिन किन्हीं वजहों से माइक्रोसॉफ्ट व गूगल में याहू का विलय नहीं हो पाया। हालांकि याहू ने समय रहते चीनी ई-कॉमर्स कंपनी अलीबाबा में 15 प्रतिशत अधिग्रहण कर लिया था जो कि उनके लिए आज तक की सबसे बड़ी विजय थी। इन सबको देखते हुए व्यापारिक स्पर्धा के तेजी से बढ़ते हुए युग में पल-पल की सावधानी तथा मिलने वाले अवसरों का समुचित अवलोकन ही सफलता की कुंजी है।

खबरें फटाफट

विदेश

फोर्ब्स सूची

'अरबपति टेक टायकूंस' की फोर्ब्स लिस्ट में अजीम प्रेमजी व शिव नाडार

न्यूयार्क। फोर्ब्स ने तकनीक की दुनिया के 100 सर्वाधिक अमीरों की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में भारत के दो अरबपतियों विप्रो के चेयरमैन अजीम प्रेमजी और एचसीएल के को-फाउंडर शिव नाडार शामिल है। ये गूगल के बॉस एरिक स्किमिड्ट और उबर के सीईओ ट्रेविस कालानिक से आगे है। लिस्ट में प्रेमजी को 13वां स्थान दिया गया है जिनकी कुल संपति 18 बिलियन डॉलर की है और नाडार को 17वें स्थान पर रखा गया है, इनकी संपति 11.6 बिलियन की बतायी गयी है। दो भारतीय-अमेरिकी टेक्नोलॉजी सीजार्स सिंकनी टेक्नोलॉजी ग्रुप के सीईओ रामेश वाधवानी और आइटी कंसल्टिंग व आउटसोर्सिंग कंपनी सिटेल के फाउंडर भरत देसाई व उनकी पत्नी नीरजा सेठी भी इस लिस्ट में शामिल हैं।

अपडेट

माइक्रोसाफ्ट विंडोज 10 के दो नए अपडेट अगले साल

न्यूयार्क। माइक्रोसाफ्ट विंडोज 10 के दो नए अपडेट अगले साल जारी करेगा। कंपनी हाल ही वर्ष 2016 के लिए तीसरा और फाइनल अपडेट पेश कर चुकी है। कंपनी ने हाल ही में यह जानकारी एक ब्लॉग में दी। इसके अनुसार हमने विंडोज 10 वर्जन 1607 के हमारे तीसरे विंडोज 10 फीचर अपडेट को इस साल जारी कर दिया है। यह वर्ष 2016 का हमारा अंतिम फीचर अपडेट पेश करेंगे। विंडोज सेंट्रल के अनुसार अगले साल का पहला प्रमुख अपडेट वर्ष की शुरूआत में ही जारी कर दिया जाएगा। इसका कोडनाम रेडस्टोन 2 रखा गया है। वहीं, कोड नाम रेडस्टोन 3 अपडेट ग्रीष्म तक जारी हो जाएगा।

फॉर्मूला इकोनॉमी

एशियाई अर्थव्यवस्था का नया टाइगर वियतनाम

पिछली 20-25 सालों में एशिया के जिस देश ने ज्यादा तरक्की की, देश के लाखों लोग गरीबी रेखा से बाहर आए वह वियतनाम है, 9 करोड़ की आबादी वाला देश। 1990 के बाद उसकी प्रति व्यक्ति ग्रोथ रेट विश्व में चीन के बाद दूसरे नंबर पर रही है। अगर वह अगले दशक में 7 फीसदी की ग्रोथ रेट बनाए रखता है, तो यह अर्थव्यवस्था के 'एशियन टाइगर' कहलाने वाले दक्षिण कोरिया और ताइवान के रास्ते पर चल पड़ेगा। फैक्ट्रियों के आधुनिकीकरण से इसे उन परिस्थितियों से उबरने में मदद मिली, जहां कभी विनिर्माण क्षेत्र मानव श्रम पर निर्भर था। वियतनाम ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के खुलेपन का भी लाभ उठाया। विदेशी कंपनियों को आकर्षित करने के लिए उसने कारोबार नियम आसान किए।

"CHALLENGES ARE MANY BUT FAITH CAN MOVE MOUNTAINS"

Only those who overcome their challenges and become victorious, guide others to tread the right path. They inspire lakhs of people and become a big reason in their success. Friends, only this is considered a fruitful life. The society remembers such people for ages and moves towards betterment by following their ideals. - ***Saket Sharma,*** Career Consultant

Student life is full of challenges. Whether it is performing well in exams or excelling in sports or trying to achieve desired career, challenges are at every step. But it is also true that we face challenges only when we want to do something in our life to achieve our goals.

If a person does not want to achieve anything and keeps wasting his precious life, then he doesn't have to face any challenges. But what is the worth of such life in which there is no victory or no joy of overcoming obstacles.

Only those who overcome their challenges and become victorious, guide others to tread the right path. They inspire lakhs of people and become a big reason in their success. Friends, only this is considered a fruitful life. The society remembers such people for ages and moves towards betterment by following their ideals.

The biggest hurdle to overcome challenges is our FEAR. Especially 'FEAR OF FAILURE'. This fear in us stops us from starting anything that can be great for our future.

The best way to deal with this fear is 'FAITH'. If we move forward with faith then every impossible becomes possible. Somebody has rightly said "FAITH CAN MOVE MOUNTAINS".

When Edison was dismissed from his school, it was the faith of his mother in him that he could become one of the greatest scientists.

Gandhiji's faith in Satyagraha led the Britishers to bow down many times.

Many of us become IAS, doctor, engineer, businessman, etc. only because of our belief that we can do it.

So, friends, know the power inside you and show this world that we are all WINNERS.

HEARTIEST
!!Congratulations!!
to our Respected
Shri Rajeev Biyani Sir, Chairman, Biyani Group of Colleges

For The Award of Ph.D. Degree in the Faculty of Commerce (University of Raj., Jaipur)
On the Topic Titled
"A Critical Evaluation of Accounting & Internal Control System in Educational Institutions - A case study of selected recognised institutions"
Prof. Sanjay Biyani, Director (Acad.) & Staff Members
Biyani Group of Colleges

शायरी

कैसे करूं शुक्रिया तेरी मेहरबानियों का मेरे खुदा...
मुझे मांगने का सलीका नहीं, पर तू देने की हर अदा जानता है

+ + +

उठती नहीं है आँखें, किसी और की तरफ...
पाबन्द कर गई है किसी की नजर मुझे...

+ + +

शब्द का वजन तो बोलने के भाव से पता चलता है...
वरना "वेलकम" तो पायदान पर भी लिखा होता है...

जोक्स

+ + +

संता का सिर फट गया।
बंता : ये कैसे हुआ?
संता : मैं चप्पल से पत्थर तोड़ रहा था, मुझे एक आदमी ने बोला "कभी खोपड़ी का भी इस्तेमाल कर लिया करो।"

JOBS Alert

Company Name	Teleperformance
Eligibility	B.E.,B.C.A,B.B.A, M.B.A etc
Location	Jaipur, Rajasthan
Profile	Voice & Non-Voice
CTC Offered	3.25 - 4 LPA and Cabs, Meals, Incentives provided
Website	www.teleperformance.com

Company Name	Genpact India
Eligibility	Any Graduate
Location	Jaipur and entire Rajasthan
Profile	Voice & Non-Voice
CTC Offered	1.75 LPA
Website	www.genpact.com

What a great day! so proud of @ Hillary Clinton and @ Tim Kaine. Let's go win this, together.
- Bill Clinton

Law of Karma and Success in career

we all focus on results and gets disappointed whenever they are not as per our expectations. We should accept and adopt Law of Karma as narrated by Lord Krishna, which states that, we have to get detached with the results and keep doing the needful action consistently.

-Prof. Sanjay Biyani

What is Law of Karma?

The word "Karma" has been in our holy books and is considered to be the most powerful law in the whole universe. We all pray to Lord Ganesha, to start our day or new work. Lord Ganesha actually explains or signifies the law of karma. The right hand of Lord Ganesha is in the position of performing an action and left hand reflects reaction.

Therefore, Law of Karma is somehow performing actions without attaching our self with its outcomes or reactions.

How can we relate Law of Karma in career and what is its role in shaping career?

Our youth usually can't focus on work for long duration of time and hence often gives up easily. Therefore, they need to be taught the importance of this law and how to implement it in shaping their successful life and career.

We can make our carver successful by applying law of karma. Elaborate the statement.

Any student appearing for exams focuses his 50% energy on results. Therefore, his actions are half dissolved with the tension about the reaction or results of his performance, because of his attachment with action reaction chain. For example, while watching 20-20 cricket mostly people get excited when their favorite team or player scores well and feel disappointed when their teams lose wicket. So, they should only enjoy good game and should not get attached to any specific team or player. This way they can enjoy their time, game and hence can enhance their energy. But unfortunately, we all focus on results and get disappointed whenever they do not perform as per our expectations. We should accept and adopt Law of Karma as narrated by Lord Krishna, which states that, we have to get detached with the results and keep doing the needful action consistently. We have to make our actions as our true religion and then that attitude can help us in attaining internal peace and satisfaction.

How can one perform action in right direction?

Whenever we start any work, it should be started with complete faith and hope that we will be successful as we are the powerful creation of God, blessed with intellect, heart, emotions and courage to do anything.

So, we should start any work we do with positive attitude, belief and hope. Also at the same time following the right direction according to one's interest and doing action consistently is also very important. The luck factor is against law of Karma. It has never been prescribed in any inscriptions of any religion that one should focus on luck only.

A person who has adopted law of karma completely will be successful and will always lead towards their goals effectively.

Being a counselor you must have interacted with many people, what do you think how many people actually believe and apply law of karma?

Usually everybody believes in destiny than on law of karma. It s a universal truth that whatever action we do on this earth will bear its reaction for sure. Like if we plant a tree or cut a tree both ways the action will be followed by a reaction definitely. There is no such action in this universe which is not followed by a specific reaction.

We all celebrate "Janmasthmi", the birth of Lord Krishna, every year but unfortunately hardly anybody actually realizes the essence of his teachings. Lord Krishna defined law of karma in beautiful words,

"Karmanye Vadhikaraste, Ma phaleshou kada chana,
Ma Karma Phala Hetur Bhurmatey Sangsatva Akarmani".

That means that we have the right to perform our actions, but we are not entitled to the fruits of the actions. Also, we don't have to let the fruit be the purpose of our actions, and therefore we won't be attached to not doing our duty.

Therefore, the awareness has to be created within us for inculcating the law of karma in our lives.

The Hare & The Tortoise... *A New Management Approach*

Know your strengths and take on your competitors in areas of your core competency.

Vibha Chaturvedi
HOD
Social Science
Biyani Girls College

Story adapted from Speaking Tree

Part 1

Long time ago, there was a tortoise and a hare who had an argument about who ran faster . They finally decided to compete in a race. As the race started, the hare sprinted ahead briskly for some time. Realizing that it will take some time for the tortoise to catch up with him, he decided to seek shelter from the sun under a tree before continuing the race. As he sat under the tree, he gradually fell asleep. The tortoise, crawling at a steady pace, eventually overtook him and won the race. The hare woke up and realized that his complacency cost him the trophy.

Moral: The determined, hardworking and steady paced people will eventually overtake the fast but complacent. We are all familiar with this story.

Part 2

The hare realized that he was over confident, complacent and took things too easily. He decided to have a re-match with the tortoise. The tortoise accepted his challenge.

This time, the hare ran with all his might and didn't stop until he crossed the finish line.

Moral: Fast and consistent will always beat the slow and steady.

But the story doesn't end here.

Part 3

This time, it was the tortoise that did the soul searching and he realized that if the hare didn't stop, there was no way he would beat him. He thought hard and decided on a different course and he challenged the hare to another re-match. The hare, of course, agreed.

With the lessons learnt from his previous failure in mind, the hare kept on running once the race started and didn't stop until the route led him to the bank of a river. He was taken by surprise and he did not know what to do, since he could not swim. There were no bridges in sight and no one to ask for directions. As he was thinking of ways to cross the river, the tortoise strolled slowly along, dived into the river, swam

across it and ultimately, finished the race before the hare.

Moral: Know your strengths and take on your competitors in areas of your core competency.

The story still hasn't ended.

Part 4

The hare and the tortoise had spent so much time together racing, that they became good friends, they had also developed mutual respect for each other as they realized that they were both different and they had different strengths. They decided to run again, but this time, as a team.

As the race started, the hare carried the tortoise and they sped to the river bank. There, they switched positions and the tortoise ferried the hare across the river. On the opposite bank, the hare again carried the tortoise and they crossed the finishing line together. They completed the race in a record time that both of them could never achieve if they were to do it alone. They also felt a greater sense of satisfaction than they had felt earlier.

Moral: It's good to be individually brilliant and to have strong core competencies but unless you're able to work in a team and harness each other's core competencies, you'll always perform below par because there will always be situations at which you'll do poorly and someone else will do better.

Note that neither the hare nor the tortoise gave up after failures. The hare decided to work harder and put in more effort after his failure. The tortoise changed his strategy because he was already working as hard as he could, but was not doing as well as he wished.

Imagine how long it will take the hare to learn how to swim! Or for the tortoise to learn to run fast. In present scenario when the environment changes at lightning speed, we have to learn to work with people who have strengths in areas that we do not have.

It is the same in business, if we can collaborate with people who are experts in areas that we are not familiar with, we will realize that our market suddenly becomes bigger. Maybe that is what globalization is after all.

Manage Time.... not let the Time Manage You

Devika Agarwal
Head-Training, Biyani Group of Colleges

The old age saying "work smarter, not harder "teaches us not to squeeze as many tasks as possible in a day instead it's about simplifying how one works, does things faster, and relieves stress. It is also believed that planning time, making schedule is more time consuming and a sheer waste, which is absolutely not true. Most of the times we are busy doing what is urgent and not what is important.

There are few tips through which you can manage your life well and make the most of the available time.

1. Complete most important tasks first.
2. Learn to say no to too many commitments at one go. Set your priorities right and your objective should be to take on only those commitments that you know you have time for and that you truly care about.
3. Sleep at least 7-8 hours. Optimum rest helps your body and mind to function properly.
4. Devote your entire focus to the task at hand. Put your phone away, out of sight and on silent.
5. Be Proactive. It's so much nicer and less stressful to get an earlier start on something.
6. One should sensibly spend time on recreation specially while it come to spending time on TV, Internet and gaming.
7. Set targets for you. Instead of saying, "I will not get up unless I finish this work", say "I will finish this task in next 3 hours".
8. Leave a mind Clearing or a buffer time between tasks so that you can freshen up and can give some to time to your mind to reset.
9. Exercise daily and Eat Healthy
10. Love your work. Enjoy what you do.

Train your Mind for "Success and Associate" with Positive People

Amit Gupta
Head-Placements, Biyani Group of Colleges

In order to attain our objectives in life, we need to focus on our goals and work harder day by day to achieve those dreams, irrespective of the obstacles we encounter on that way. We may be discouraged by the people around us or the negative results of our past efforts would test our perseverance. But we have to keep ourselves enthusiastic about our prime objective in order to fulfill our dreams. At times we will be the only one left who would believe in our efforts, but keeping our spirit high is the most essential key to success in life. Our mind is very powerful, so we have to train our mind for positive thinking. Many past defeats or obstacles in life will surely come in our mission of keeping our mind enthusiastic and goal oriented so we have to be very careful in our thought process and also selective about the associations we keep in the process of achieving our mission of living a successful and purposeful goal oriented life.

A very important tool to succeed in life is to visualize that success in your mind before you actually are. You need to convince yourself that you are capable enough to handle the turmoil of life and you deserve success due to your hardworking and persistent mind set. Another thing which will make you successful is your association. You need to keep a close watch on the people you hang around with. Avoid associating with people who are negative and pessimists. Negative energy is very contagious and can work against you even if you don't make a deliberate effort to keep yourself away from these kinds of people. It's a general saying that "If you hang around with nine broke people, you are in the process of becoming number ten".

Through thick and thin, through pain and smiles...
through highs and lows and for miles n miles...
your friend will always be around !
- Rajeev Khandelwal

15 AUGUST

जन गण मन अधिनायक, जय हे
भारत भाग्य विधाता
पंजाब सिंध गुजरात मराठा
द्राविड़ उत्कल बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंगा
तव शुभ नामे जागे
तव शुभ आशीष मांगे
गाहे तव जय गाथा
जन गण मंगल दायक, जय हे
भारत भाग्य विधाता
जय हे, जय हे, जय हे
जय, जय, जय, जय हे।

Flag hosting by Chief Guest Dr. Shivraj Singh, Shri Satish Handa Rajeev Biyani (Chairman), Prof. Sanjay Biyani Director (Acad.) Biyani Girls College on the auspicious function of Independence Day at BGC, Vidhyadhar Nagar, Jaipur

Bollywood Actor Rajeev Khandelwal & Actress Gauhar Khan visited Biyani Girls College on 21st July 2016

Seminar on How to Crack CA Exams by FCA Rajeev Sogani (14.08.2016)

Student Orientation Programme "Urja" (16th to 23rd July 2016)

Faculty Development Programme "Chankya" (18th to 23rd July 2016)

Education visit to Jhalana Biological Park (06-08-2016)

Poster Making Competition (13-08-2016)

Dear Refugee sisters & brothers, you are the world's team. We stand with you.
- Malala's Yousufzai

Common Law Terms

Drought : Thirst, continuous dry weather, wanting rain. Now drought is a regular feature of Rajasthan.

Draught : Traction, the act of drawing, a dose of medicine. Doctor always prescribe the draught of medicine.

Dual : Of double nature, Two fold. It is not better to have a dual policy on any matter.

Duel : A fight with weapons in two persons, two-sided contest. Duel between Ram and Shyam was not appreciated by any one.

Eligible : Fit to be chosen, Suitable, Qualified. Those who have passed LL.B. are eligible for RJS Examination.

Illegible : Not legible, That can not be read. The handwriting of my reader is illegible.

Find answers to the following questions in this month's edition of Biyani Times. **First ten all correct entries will win attractive prizes.**

GK QUIZ

1. Which state became first state to pass GST bill?
   A. Rajasthan B. Assam
   C. Bihar D. None of these
2. The First Commercial women Pilot of Rajasthan belongs to which District?
   A. Jhalawar B. Surajgarh
   C. Baragaon D. Jhunjhunu
3. By which company Yahoo has been overtaken?
   A. Google B. Microsoft
   C. Verizon D. None of these
4. Which page has been liked by you in this Editions?
   A. First & Second B. Third & Fourth
   C. Fifth & Sixth D. Seventh & Eight

Please send your feedback about this issue & the reply for the above Questions:
E-mail:biyanitimes@gmail.com
or Send SMS on **8233956940**

TEAM BIYANI TIMES

परिकल्पना :
- राजीव बियानी

प्रधान सम्पादक
- प्रो. संजय बियानी

टीम
- प्रियंका चतुर्वेदी
- अमित वर्मा
- मालती सक्सेना
- विभा चतुर्वेदी

डिजाइन
- निलेश शर्मा
- विजय सिंह राजावत

फोटोग्राफी
- दिनेश प्रजापत

All editions updates are available at
www.biyanitimes.com • For updates like us at facebook/biyanitimes

दीपा कर्माकर : जिमनास्ट में रच दिया इतिहास

Rio2016

फाइनल में पहुंचने वाली देश की पहली महिला

महिला 3000 मीटर स्टीपलचेस के फाइनल में पहुंची ललिता बाबर

52 साल बाद ओलिंपिक खेलों की जिमनास्टिक स्पर्धा में पहली भारतीय महिला एथलीट के तौर पर प्रवेश कर पहले ही इतिहास रच चुकी दीपा कर्माकर ने हाल ही में रियो ओलिंपिक के वॉल्ट के फाइनल में प्रवेश कर एक और इतिहास रच दिया। बचपन से ही संघर्ष कर रही दीपा जिमनास्ट की सभी 5 क्वालिफिकेशन सबडिविजन स्पर्धा के समापन के बाद वॉल्ट में 8वें स्थान पर रहीं, जो फाइनल में क्वालीफाइ करने के लिए आखिरी स्थान रहा। दीपा कर्माकर ने तीसरी सबडिविजन क्वालीफाइंग स्पर्धा के वॉल्ट में 14.850 अंक हासिल किए।

रियो ओलिंपिक के एथलीट वर्ग के महिला 3000 मीटर स्टीपलचेस इवेंट में भारत की ललिता बाबर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर गई है। ललिता ने 9:19:76 का समय लेकर नया नेशनल रिकॉर्ड भी बनाया। हालांकि भारत की सुधा सिंह इस इवेंट के फाइनल में जगह नहीं बना पाई। क्वालीफाइंग राउण्ड में ललिता 7वें स्थान पर रहीं।

गौरतलब है कि रियो ओलिंपिक में अब तक हुई स्पर्धा में सबसे अधिक पदक जीतने वाले देशों की सूची में अमेरिका सबसे आगे है।

BIYANI GROUP OF COLLEGES
Accredited by NAAC - 'A' Grade
• Affiliated to University of Rajasthan • RTU, Kota & RUHS, Jaipur
Approved by AICTE, INC, BCI

An exclusive girls college with excellent Hostel facility

Admissions are closing soon

B.A. (Pub. Admin. English Literature Economics, Sociology Geography, Psychology History)
M.A. (Geography Eng. Lit. Economics)
B.V.A.
B.Sc. (Bio/Maths)
B.Com.
B.Com. (Hons.)
MJMC
B.Sc. (Biotechnology)
M.Com. (ABST)
BBA
M.Sc. • Biotechnology • Chemistry • Zoology • Physics • Environmental Science • Maths • Botany)
MBA CMAT Code : Ist Shift - 222, IInd Shift : 221
BCA
MCA RMCAAT Code : Ist Shift - 207, IInd Shift : 208
M.Sc. IT
LL.B. (3 & 5 Year Prof. Course)
GNM
B.Sc. (Nursing)

Campus-1 : BIYANI GIRLS COLLEGE
Sector-3, Vidhyadhar Nagar, Jaipur (Raj.)

Campus-2 : BIYANI Co-Ed COLLEGE
Kalwar-Jobner Road, Kalwar, Jaipur (Raj.)

Toll Free No. : 1800-3000-2611 • Ph.: 0141-2336226, 2338371
Online forms are available on : www.biyanicolleges.org
Follow us at : www.facebook.com/biyanigroupofcollege

बियानी टाइम्स
BIYANI TIMES
...जो देता है ऑब्जेक्टिविटी, एनर्जी एंड अपडेट
RNI No. : RAJBIL/2003/13325, Post Reg. No. : Jaipur city/170/2013-15

पोस्टेज : प्रत्येक माह की 20 तारीख

स्वामी, मुद्रक और प्रकाशक राजीव बियानी और सम्पादक संजय बियानी के लिए शारदा प्रिन्टर्स, 625, जूनिवाल हाउस, विद्याधर का रास्ता, जयपुर से मुद्रित और प्लाट नम्बर आर-4, सेक्टर-3, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
फैक्स नं. 0141-2338007, फोन नं. 0141-2336226, 2338371 E-mail : biyanitimes@gmail.com